अध्याय

08

बैंकिंग एवं कराधान
BANKING AND TAXATION

ELNBAC

परिचय (Introduction) –

गोकुल अपने कुछ दोस्तों से बाते कर रहा था। उनमें चर्चा चल रही थी कि उनके परिवार हर माह कुछ राशि बचा पाते हैं। उस राशि को कहाँ रखें जिससे वह सुरक्षित रहे व कभी–कभी जरूरत पड़ने पर मिल भी जाए।

मोहन – मुझे तो लगता है कि एक बचत खाता खोल लो।

अजमल – उससे तो अच्छा है कि आवर्ती जमा खाता खोल लो, अधिक ब्याज मिलेगा।

नरेश – पर उसमें तो हर माह कुछ जमा करना होगा।

गोकुल – ऐसा तो अगले कुछ महीनों तक हम कर ही सकते हैं।

अजमल – फिर तो ठीक है, हर महीने एक नियत राशि कम से कम 6 महीने तक जमा कराते रहो।

गोकुल – कितनी राशि, कहाँ जमा कराऊँ और 6 महीने ही करना है क्या?

नरेश – नहीं 10 वर्ष तक कर सकते हो और बैंक या पोस्ट आफिस कहीं भी। यही नहीं, तुम चाहो तो एक से अधिक खाते खोल सकते हो। यह ध्यान रहे कि राशि 10 रुपए के गुणक में ही लेनी होगी।

गोकुल – इसका क्या फायदा?

नरेश – इसके ब्याज की दर अधिक है, जितने लंबे समय तक करवाओ उतनी अधिक।

राकेश – और अगर बीच में पैसा चाहिए या किश्त न हो तो?

नरेश – हर साल कुछ राशि तो निकाल सकते हैं ही। किश्त न देने पर क्या होगा, यह

बैंक से पता करना होगा। हाँ, अगर खाता बंद करना पड़े तो ब्याज में कुछ कटौती कर शेष राशि आप को मिल जाएगी।

गरिमा – इससे अधिक ब्याज प्राप्त करने के लिए क्या कोई अन्य खाता खोला जा सकता है?

राकेश – हाँ, सावधि जमा खाता खोला जा सकता है। लेकिन इसमें एक निश्चित अवधि के लिए पैसा जमा करना होता है।

गरिमा – यह हम कैसे तय करें कि अपनी बचत राशि किस खाते में जमा करें?

राकेश – यदि निकट भविष्य में बचत राशि के उपयोग की विशेष आवश्यकता नहीं हो, तो इसे सावधि जमा खाते में जमा कर सकते हैं।

करके देखें

आपने पिछली कक्षाओं में साधारण ब्याज के बारे में पढ़ा है। आइए कुछ सवाल हल करके बचत खाते, आवर्ती जमा खाते और सावधि जमा खाते के अंतर को थोड़ा और समझते हैं।

1. महेश अपने बचत खाते में 300 रु. 3 माह के लिए जमा करता है तथा एकता 100 रु. प्रतिमाह की दर से 3 माह में आवर्ती जमा खाते में 300 रु. जमा करती है। यदि

   (क) बचत खाते में ब्याज की दर 4% वार्षिक तथा आवर्ती जमा खाते में ब्याज की दर 6% वार्षिक हो तो किसे अधिक ब्याज मिलेगा?

   (ख) दोनों खातों में ब्याज की दरें 6% हों तो क्या मिलने वाले ब्याज में कोई अंतर होगा, हाँ तो उसका कारण क्या है?

2. मनीषा 2000 रु. अपने बचत खाते में 2 वर्ष के लिए जमा करती है जिस पर उसे 4% की दर से वार्षिक ब्याज मिलता है परन्तु रोहन 2000 रु. 2 वर्ष के लिए अपने सावधि जमा खाते में जमा करता है जिस पर उसे 8% की दर से वार्षिक ब्याज मिलता है तो दोनों के खातों में 2 वर्ष के अंत में कितना ब्याज मिलेगा?

तीनों खातों में अंतर को हम संक्षेप में इस तरह देख सकते हैं–

जब हमारे पास पैसा है और आगे कभी भी जरूरत पड़ सकती है तब हम उसे बचत खाते में जमा करते हैं। जबकि सावधि जमा खाते में हम तब जमा करते हैं जब हमें यह लगता है कि आने वाले छह महीने, साल–दो साल या किसी निश्चित अवधि तक उस पैसे की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बचत खाते में जमा राशि जमाकर्ता द्वारा कभी भी निकाली जा सकती है इसलिए बैंक उस राशि का उपयोग नहीं करता तथा उस जमा राशि पर ब्याज की दर कम होती है, किंतु सावधि जमा खाते में जमा राशि के लिए बैंक आश्वस्त होता है कि वह उस अवधि के लिए उस राशि का उपयोग कहीं कर सकता है इसलिए इस पर ब्याज की दर अधिक होती है।

आवर्ती जमा खाता उक्त दोनों खातों से इस बात में अलग है कि इसमें जमाकर्ता के पास शुरू में अधिक धन नहीं होता। उसके पास बचत की थोड़ी राशि है और वह निरंतर इतनी राशि किसी निश्चित अवधि में जमा कर सकता है। ऐसी स्थिति में आवर्ती जमा खाता एक उपयुक्त विकल्प होता है। इसकी ब्याज दर बचत खाते से अधिक होती है क्योंकि आवर्ती जमा खाता भी किसी निश्चित अवधि के लिए होता है।

आइए आवर्ती जमा खाते के ब्याज की गणना को निम्न उदाहरणों द्वारा समझें

उदाहरणः–1. संतोष कुमार ने छत्तीसगढ़ विकास बैंक में 100 रु. का मासिक आवर्ती जमा खाता 6 माह के लिए खोला। यदि ब्याज की दर 6% वार्षिक हो तो 6 माह पश्चात उसे कितनी परिपक्वता राशि प्राप्त होगी?

हलः– (i) 100 रु. का 6 माह का 6% की दर से ब्याज (प्रथम किश्त का ब्याज)

$$= \frac{100 \times 6 \times 6 \times \frac{1}{12}}{100}$$

(ii) 100 रु. का 5 माह का 6% की दर से ब्याज (द्वितीय किश्त का ब्याज)

$$= \frac{100 \times 6 \times 5 \times \frac{1}{12}}{100}$$

(iii) 100 रु. का 4 माह का 6% की दर से ब्याज (तृतीय किश्त का ब्याज)

$$= \frac{100 \times 6 \times 4 \times \frac{1}{12}}{100}$$

(iv) 100 रु. का 3 माह का 6% की दर से ब्याज (चतुर्थ किश्त का ब्याज)

$$= \frac{100 \times 6 \times 3 \times \frac{1}{12}}{100}$$

(v) 100 रु. का 2 माह का 6% की दर से ब्याज (पांचवीं किश्त का ब्याज)

$$= \frac{100 \times 6 \times 2 \times \frac{1}{12}}{100}$$

(vi) 100 रु. का 1 माह का 6% की दर से ब्याज (छठवीं किश्त/अंतिम किश्त का ब्याज)

$$= \frac{100 \times 6 \times 1 \times \frac{1}{12}}{100}$$

कुल ब्याज =

$$\left[\frac{100\times6\times6\times\frac{1}{12}}{100}+\frac{100\times6\times5\times\frac{1}{12}}{100}+\frac{100\times6\times4\times\frac{1}{12}}{100}+\frac{100\times6\times3\times\frac{1}{12}}{100}+\frac{100\times6\times2\times\frac{1}{12}}{100}+\frac{100\times6\times1\times\frac{1}{12}}{100}\right]$$

$$=\frac{100\times6\times\frac{1}{12}}{100}[6+5+4+3+2+1]$$

$$=\frac{100\times6\times\frac{1}{12}}{100}[1+2+3+4+5+6]$$

$$=\frac{100\times6\times\frac{1}{12}\times6\times7}{100\times2}$$ (समान्तर श्रेढ़ी के योग सूत्र से)

$$=\frac{21}{2}\quad=10.50\text{ रु}$$

6 माह बाद प्राप्त कुल राशि = 100×6 + 10.50 = 610.50 रु.

उदाहरणः–2. यदि P रु. मासिक आवर्ती जमा खाते में $r\%$ वार्षिक ब्याज की दर से n माह तक जमा किया जाता है, तो n माह पश्चात आवर्ती जमा खाते में प्राप्त ब्याज की गणना कीजिए।

हल – P रु. का n माह बाद $r\%$ की दर से ब्याज (प्रथम किश्त का ब्याज)

$$=\frac{p\times r}{100}\times\frac{n}{12}$$ (क्योंकि यह धन n माह तक रहता है।)

P रु. का $(n\text{-}1)$ माह बाद $r\%$ की दर से ब्याज (द्वितीय किश्त का ब्याज)

$$=\frac{P\times r}{100}\times\frac{n-1}{12}$$ (क्योंकि यह धन n-1 माह तक रहता है)

P रु. का $(n\text{-}2)$ माह बाद $r\%$ की दर से ब्याज (तृतीय किश्त का ब्याज)

$$=\frac{P\times r}{100}\times\frac{n-2}{12}$$ (क्योंकि यह धन n-2 माह तक रहता है)

.....

.....

इसी प्रकार, P रु. का अंतिम माह से पूर्व माह बाद [अर्थात $n\text{-}(n\text{-}2)=2$ माह बाद] $r\%$ की दर से ब्याज (अंतिम से पूर्व किश्त का ब्याज)

$$= \frac{P \times r}{100} \times \frac{2}{12}$$ (क्योंकि यह धन 2 माह तक रहता है)

P रु. का अंतिम माह का $r\%$ की दर से ब्याज (अंतिम किश्त का ब्याज)

$$= \frac{P \times r}{100} \times \frac{1}{12}$$ (क्योंकि यह धन 1 माह तक रहता है)

कुल ब्याज $$= \frac{P \times r}{100} \times \frac{1}{12}\left[n + (n-1) + (n-2) + ... + 2 + 1\right]$$

$$= \frac{P \times r}{100} \times \frac{1}{12}\left[1 + 2 + 3....... + (n-1) + n\right]$$

$$= \frac{P \times r}{100} \times \frac{1}{12}\left[\frac{n(n+1)}{2}\right]$$ (क्योंकि समांतर श्रेणी में हैं।)

$\therefore$ आवर्ती जमा खाते में जमा धन राशि का कुल ब्याज $= \frac{P \times r}{100} \times \frac{1}{12}\left[\frac{n(n+1)}{2}\right]$

जहाँ P = मासिक किश्त राशि, r = ब्याज की दर तथा

n = मासिक किश्तों की कुल संख्या

आइए अब सावधि जमा खाते के ब्याज की गणना को निम्न उदाहरणों द्वारा समझें

इस खाते में जमा धन पर चक्रवृद्धि ब्याज देय होता है जिसका सूत्र निम्न प्रकार हैः–

$$A = P\left(1 + \frac{r}{100}\right)^n$$

जहाँ A = मिश्रधन, P = मूलधन, r = ब्याज की दर तथा n = समय

गणना में लघुगणक का भी प्रयोग किया जा सकता है।

उदाहरणः– 3. निखिल ग्रामीण बैंक में 1 वर्ष 6 माह के लिए 10,000 रु. सावधि जमा खाते में जमा d j r k gS ; fn Ç kt d hnj 8% प्रतिवर्ष है तथा उसका संयोजन अर्द्धवार्षिक हो, तो निखिल के सावधि जमा खाते में जमा राशि का परिपक्वता मूल्य ज्ञात कीजिए।

हलः– दिया है, मूलधन P = 10,000 रु.,दर = 8% वार्षिक = 4% अर्द्धवार्षिक

समय, n = 1 वर्ष 6 माह = 3 अर्द्धवर्ष

मिश्रधन $A = ?$

$\because$ मिश्रधन $A = P\left(1 + \frac{r}{100}\right)^n$ से,

अतः मिश्रधन $A = 10000\left(1+\frac{4}{100}\right)^3$

$A = 10000\left(1+\frac{1}{25}\right)^3$

$A = 10000\left(\frac{26}{25}\right)^3$

$A = 10000 \times \frac{26}{25} \times \frac{26}{25} \times \frac{26}{25}$

$A = 11248.64$ रुपये

अतः निखिल को देय परिपक्वता मूल्य 11248.64 रुपये है।

उदाहरणः–4. मोहन ने कृषि विकास बैंक में 50,000 रुपये 2 वर्ष के लिए सावधि जमा खाते में जमा किए। यदि ब्याज की दर 10% वार्षिक हो तथा ब्याज प्रति छः माही बाद संयोजित किया जाता हो, तो परिपक्वता पर बैंक उसे कितनी धनराशि देगा?

हलः– दिया है, मूलधन P= 50,000 रु.

ब्याज की दर r = 10% वार्षिक = 5% अर्द्धवार्षिक

समय $n = 2$ वर्ष = 4 छमाही,

तो मिश्रधन $A = ?$

$A = P\left(1+\frac{r}{100}\right)^n$ से,

अतः मिश्रधन $A = 50000\left(1+\frac{5}{100}\right)^4$

$A = 50000\left(1+\frac{1}{20}\right)^4$

$A = 50000\left(\frac{21}{20}\right)^4$

$A = 50000 \times \frac{21}{20} \times \frac{21}{20} \times \frac{21}{20} \times \frac{21}{20}$

$A = 60775.31$ रुपये

इस प्रकार मोहन को 2 वर्ष पश्चात परिपक्वता राशि 60775.31 रुपये प्राप्त होगी।

प्रश्नावली 1

1. करीम भारतीय स्टेट बैंक में 150 रु. प्रतिमाह की दर से 2 वर्ष तक आवर्ती जमा खाता में निवेश करता है। यदि ब्याज की दर 5% वार्षिक हो तो उसे 2 वर्ष बाद कितनी धनराशि बैंक द्वारा भुगतान की जाएगी?
2. रेशमा ने पंजाब नेशनल बैंक में 200 रु. प्रतिमाह की दर से 5 वर्ष के लिये आवर्ती जमा खाता खोला। यदि ब्याज की दर 6% वार्षिक हो, तो 5 वर्ष पश्चात उसे कितनी धनराशि प्राप्त होगी?
3. रोहन ने डाकघर में 50 रु. प्रतिमाह की दर से 5 वर्ष के लिए आवर्ती जमा खाता खोला। 5% वार्षिक ब्याज की दर से उसे कितना धन मिलेगा ?
4. पद्मनी ने जिला सहकारी बैंक में 100 रुपये प्रतिमाह का 10 वर्ष के लिये आवर्ती जमा खाता खोला। यदि इन्हें बैंक द्वारा ब्याज की राशि 3025 रु. प्रदान की जाती है, तो ब्याज की दर कितने प्रतिशत वार्षिक होगी?
5. किशन ने एक बैंक की शाखा में तीन वर्ष के लिए 250 रुपये प्रतिमाह का एक आवर्ती जमा खाता खोला तो 5% वार्षिक ब्याज की दर से उसे बैंक द्वारा कितनी धनराशि प्राप्त होगी ?
6. रजत ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की एक शाखा में 100 रुपये प्रतिमाह की दर से तीन वर्ष के लिए आवर्ती जमा खाता खोला। कितने प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से उसे 222 रूपये ब्याज मिलेगा?
7. किशन इलाहाबाद बैंक में सावधि जमा के रूप में 20,000 रु. 1 वर्ष के लिए 16% वार्षिक ब्याज की दर से जमा करता है। यदि ब्याज तिमाही संयोजित होता है, तो परिपक्वता के पश्चात किशन को कितनी धनराशि प्राप्त होगी?
8. हेमचरण ग्रामीण बैंक में 1,00,000 रुपये 1 वर्ष 6 माह के लिए 8% वार्षिक ब्याज की दर से सावधि जमा करता है, यदि ब्याज तिमाही संयोजित होता है, तो परिपक्वता तिथि पर कितनी धनराशि प्राप्त होगी?
9. एक व्यक्ति सावधि जमा खाता में 4% वार्षिक ब्याज की दर से 2 वर्ष के लिए 2 लाख रु. निवेश करता है, तो उसे परिपक्वता के समय कितनी धनराशि प्राप्त होगी, यदि ब्याज वार्षिक संयोजित होता है?
10. निलेश बैंक ऑफ इंडिया में 50 हजार रुपये का 1 वर्ष के लिए 8% वार्षिक ब्याज की दर से सावधि जमा खाता खोलता है। यदि ब्याज तिमाही संयोजित किया जाता है तो उसे एक वर्ष पश्चात कितनी राशि का भुगतान बैंक द्वारा किया जावेगा।
11. पुष्पा ने 60 हजार रुपये को 1 वर्ष 6 माह के लिए सावधि जमा खाते में निवेश किया। परिपक्वता तिथि पर कितने धन की प्राप्ति होगी यदि ब्याज की दर 12% वार्षिक हो तथा ब्याज प्रति 6 माह के बाद संयोजित किया जाता है।
12. श्रीराम ने 20,000 रु. 2 वर्ष के लिए सावधि जमा खाते में जमा कराया। यदि ब्याज की दर 6% वार्षिक हो तथा ब्याज छःमाही संयोजित होता है तो नियत तिथि पश्चात मिलने वाली धनराशि कितनी होगी?

उत्तरमाला–1

1. 3787.50 रु.	2. 13830 रु.	3. 3381.25 रु.	4. 5%
5. 9693.75 रु.	6. 4%	7. 23,397.17 रु.	8. 1,12,616.24 रु.
9. 2,16,320.00 रु.	10. 54121.60 रु.	11. 71,460.96 रु.	12. 22510.17 रु.

dk/kku [TAXATION]

EY2JQH

परिचय (Introduction)

भारत सरकार जनकल्याण के लिये बहुत से काम करती है। इसके लिये उसे धन की आवश्यकता पड़ती है।क्या आप बता सकते हैं कि सरकार इन सब कार्यों को पूरा करने के लिये धन कहाँ से प्राप्त करती है?

सरकार धन प्राप्त करने के लिए आयकर, सेवाकर, बिक्री कर आदि के रूप में जनता पर कर लगाती है। ये करें पूर्व निर्धारित होती हैं।

सोचें एवं चर्चा करें?

सरकार इसके अतिरिक्त विकास के कार्यों को पूर्ण करने के लिये और अपने खर्चों की पूर्ति हेतु कहाँ–कहाँ से धन प्राप्त करती है ?

आप जानते हैं कि आयकर क्या है?

भारत सरकार को विभिन्न स्रोतों से प्राप्त होने वाली कुल आय का एक बड़ा हिस्सा आयकर से प्राप्त राशि होती है। सरकार आयकर प्राप्त करने के लिए आयकर की न्यूनतम सीमा निर्धारित करती है। इस सीमा से अधिक आय प्राप्त करने वाले व्यक्तियों , कंपनियों या उद्योगों को आयकर देना होता है। लेकिन न्यूनतम सीमा से कम आय प्राप्त करने वाले व्यक्तियों ,कंपनियों या उद्योगों को आयकर नहीं देना पड़ता। आय के विभिन्न स्तरों के लिए सरकार द्वारा आयकर की दरें निर्धारित की जाती है जिसके अनुसार आयकर का भुगतान करना पड़ता है परन्तु कुछ विशेष श्रेणियों में आने वाले व्यक्तियों,कंपनियों या उद्योगों को आयकर में छूट दी जाती है। आयकर की दर आय के साथ–साथ बढ़ती जाती है। यह बढ़ी दर निश्चित स्तर से अधिक आय पर लगती है। व्यक्तियों, कंपनियों या उद्योगों के आय के एक या एक से अधिक साधन हो सकते हैं अतः उन सभी साधनों से प्राप्त आय पर गणना द्वारा प्राप्त कर का योग ही आयकर है। कभी–कभी इस आयकर पर सरकार विशेष प्रायोजनाओं के लिए थोड़ा सा अतिरिक्त कर लगा देती है जिसे उपकर (Cess) कहा जाता है। आयकर की सीमा के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक व्यक्ति,कंपनी या उद्योग को आयकर अनिवार्यतः चुकाना चाहिए ।

क्या आयकर जमा करने के लिये आयकरदाता के खाते की कोई संख्या (Account Number) होती है?

भारत सरकार द्वारा गठित आयकर विभाग आयकरदाताओं से आयकर प्राप्त करता है। अब प्रश्न यह उठता है कि आयकरदाताओं की पहचान आयकर विभाग कैसे करता

है ? आयकरदाताओं की पहचान के लिए आयकर विभाग द्वारा प्रत्येक व्यक्ति,संस्था या कंपनी को एक पहचान संख्या दी जाती है जिसे स्थायी खाता संख्या (Permanent Account Number या PAN) अथवा अस्थायी खाता संख्या (Temporary Account Number या TAN) कहा जाता है। बैंकों में खाता खोलने के लिए PAN को अनिवार्य किया जाता है ताकि आयकर विभाग को खाताधारकों के आय की जानकारी हो सके।

यह आयकर किस अवधि के लिये एवं किस दर पर लगाया जाता है?

किसी व्यक्ति, कंपनी या उद्योग को 1 अप्रैल से 31 मार्च तक की अवधि में आय के समस्त स्रोतों से जो आय होती है उसी पर उसे आयकर का भुगतान करना होता है। इस अवधि को वित्तीय वर्ष कहते हैं। आयकर गणना के लिए सरकार द्वारा आयकर की दरें निर्धारित की जाती हैं जो वित्तीय वर्ष के अनुसार बदलती रहती हैं।

(1) आइए विगत तीन वर्षों की आयकर दरों की तालिका का अवलोकन करें जिसमें आयकर की गणना दरें समय अनुसार परिवर्तित हुई हैं –

वित्तीय वर्ष	पुरूष		महिला		वरिष्ठ नागरिक	
	आय सीमा	आयकर दर	आय सीमा	आयकर दर	आय सीमा	आयकर दर
2013–14	2 लाख तक	निरंक	2.5 लाख तक	निरंक	2.5 लाख तक	निरंक
	2 से 5 लाख तक	10 %	2.5 से 5 लाख तक	10 %	2.5 से 5 लाख तक	10 %
	5 से 10 लाख तक	20 %	5 से 10 लाख तक	20 %	5 से 10 लाख तक	20 %
	10 लाख से ऊपर	30 %	10 लाख से ऊपर	30 %	10 लाख से ऊपर	30 %
2014–15	2.5 लाख तक	निरंक	3 लाख तक	निरंक	3 लाख तक	निरंक
	2.5 से 5 लाख तक	10 %	3 से 5 लाख तक	10 %	3 से 5 लाख तक	10 %
	5 से 10 लाख तक	20 %	5 से 10 लाख तक	20 %	5 से 10 लाख तक	20 %
	10 लाख से ऊपर	30 %	10 लाख से ऊपर	30 %	10 लाख से ऊपर	30 %
2015–16	2.5 लाख तक	निरंक	3 लाख तक	निरंक	3 लाख तक	निरंक
	2.5 से 5 लाख तक	10 %	3 से 5 लाख तक	10 %	3 से 5 लाख तक	10 %
	5 से 10 लाख तक	20 %	5 से 10 लाख तक	20 %	5 से 10 लाख तक	20 %
	10 लाख से ऊपर	30 %	10 लाख से ऊपर	30 %	10 लाख से ऊपर	30 %

(2) वर्तमान में शिक्षा उपकर देय आयकर का 2 प्रतिशत एवं माध्यमिक और उच्च शिक्षा देय आयकर का 1 प्रतिशत है अथवा समेकित रूप से कुल शिक्षा उपकर 3 प्रतिशत।

(3) यदि कर योग्य आय 10 लाख रुपए से अधिक हो तो देय आयकर पर 10 प्रतिशत अधिभार भी देना पड़ता है।

(4) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 C के अन्तर्गत जमा की गई धन राशि पर आयकर छूट की अधिकतम सीमा 1.5 लाख रुपए है, जो सकल आय से घटा दी जाती है। शेष आय पर आयकर की गणना की जाती है।

निवेश की गई छूट योग्य राशि निम्नलिखित है–

(अ) जीवन बीमा पॉलिसी की वार्षिक किस्त।

(ब) यूलिप में जमा वार्षिक किस्त।

(स) सामान्य भविष्य निधि वार्षिक जमा राशि।

(द) गृह ऋण पर मूल धन जमा की वार्षिक राशि।

(इ) बच्चों को देय शिक्षण शुल्क।

(फ) सावधि जमा की राशि।

(ग) समूह बीमा/परिवार कल्याण में जमा वार्षिक अंश दान की राशि आदि।

आइए आयकर गणना को निम्न उदाहरण द्वारा समझते हैं:

उदाहरणः– 1. एक कर्मचारी की वित्तीय वर्ष 2008–09 में आय 4,28,000 रु. थी। उसने 2500रु. प्रतिमाह सामान्य भविष्य निधि में तथा 25,000 रु. अर्द्धवार्षिकी जीवन बीमा पॉलिसी प्रीमियम में जमा किया। उसने 30,000 रु. का राष्ट्रीय बचत पत्र खरीदा तथा 25,000 रु. एक चेरिटेबल ट्रस्ट में दान किए। कर्मचारी द्वारा वित्तीय वर्ष के अंतिम माह में चुकाई गई आयकर की धनराशि ज्ञात कीजिए। आयकर की धारा 80सी के अंतर्गत सामान्य भविष्य निधि, जीवन बीमा प्रीमियम और राष्ट्रीय बचत पत्र आदि में जमा के कुल 1,00,000 रु. तक आयकर से छूट है। ट्रस्ट में दान की राशि का 50% आयकर में छूट धारा 80जी के अंतर्गत है। आयकर की दरें निम्नानुसार हैं :–

क्र.	कर योग्य सीमा	आयकर की दर
1	1,50,000 रु. तक	कोई आयकर नहीं
2	1,50,001 रु. से 3,00,000 रु. तक	10%
3	3,00,001 रु. से 5,00,000 रु. तक	20%

इसके अतिरिक्त आयकर का 3% शिक्षा अधिभार लगाया जाएगा।

हलः– एक कर्मचारी की कुल आय = 4,28,000 रु.

ट्रस्ट में दान की गई राशि = 25000 रु. का 50%

$$= \frac{25000 \times 50}{100}$$

छूट की राशि = 12,500 रु.

शेष आय = 4,28,000 रु. – 12,500 रु. = 4,15,500 रु.

आयकर की धारा 80–सी अंतर्गत जमा कुल राशि =

सामान्य भविष्य निधि + जीवन बीमा प्रीमियम + राष्ट्रीय बचत पत्र

= 2500×12 + 25000×2 + 30,000

= 30,000 + 50,000 + 30,000

= 1,10,000 रु. जो 1 लाख से अधिक है

आयकर में छूट की राशि 1,00,000 रु.

अतः कर योग्य आय = 4,15,500 – 1,00,000 रु.

= 3,15,500 रु.

दिए गए आयकर की दर क्रमांक 3 के अनुसार, = प्रथम 1,50,000 तक कोई कर नहीं

आयकर = 1,50,000 रु. का 10%+ 15,500 का 20%

= 15,000 रु. + 3100

= 18,100 रु.

शिक्षा अधिभार = 18,100 का 3%

= 543 रु.

कुल देय आयकर = 18,100 + 543

= 18643 रु.

उदाहरणः–2. वित्तीय वर्ष 2012–13 में मकान किराया भत्ता छोड़कर एक व्यक्ति की वार्षिक आय 4,80,000 रु. है। उसने 36000 रु. भविष्य निधि में, 18000 रु. जीवन बीमा प्रीमियम में और 20,000 रु. राष्ट्रीय बचत पत्र योजना में जमा किया। उसे वार्षिक देय आयकर पर 3% शिक्षा कर भी देना पड़ता है। यदि वह 1500 रु. प्रतिमाह आयकर 10 माह तक जमा करता है तो शेष आयकर की राशि बताइए। आयकर गणना करने के पहले भविष्य निधि, जीवन बीमा एवं राष्ट्रीय बचत पत्र में नियोजित राशि अधिकतम 1,00,000 रु. कर मुक्त है। आयकर की दरें निम्नानुसार हैं :–

क्र.	कर योग्य सीमा	आयकर की दर
1	2,00,000 रु. तक	कोई आयकर नहीं
2	2,00,001 से 5,00,000 रु.	10%

हलः– वार्षिक आय = 4,80,000 रु.

1. भविष्य निधि में जमा राशि = 36000 रु.
2. जीवन बीमा में जमा राशि = 18,000 रु.
3. राष्ट्रीय बचत पत्र योजना में जमा राशि = 20,000 रु.

कुल जमा राशि = 36,000 + 18,000 + 20,000

= 74,000 रु.

कर योग्य आय = 4,80,000 रु. – 74000 = 4,06,000 रु.

आयकर = (4,06,000 रु. – 2,00,000 रु.) का 10% (∵ 2,00,000 रु. तक कोई आयकर नहीं लगता है।)

$$= \frac{206000 \times 10}{100}$$

= 20,600 रु.

शिक्षाकर = 20,600 रु. का 3%

$$= \frac{20600 \times 3}{100}$$

= 618 रु.

कुल देय आयकर = 20,600 रु. + 618 रु. = 21,218 रु.

10 माह में जमा किया गया आयकर = 1500 × 10 रु. = 15,000 रु.

शेष देय आयकर = 21,218 रु. – 15,000 रु.

= 6,218 रु.

उदाहरणः–3. वित्तीय वर्ष 2013–14 में एक शासकीय कर्मचारी की कुल वार्षिक आय 3,60,000 रु. थी। उसने 20,000 रु. जीवन बीमा पॉलिसी का वार्षिक प्रीमियम तथा 4000 रु. प्रतिमाह सामान्य भविष्य निधि में जमा किया। देय आयकर की गणना कीजिए।

यदि आयकर गणना के पूर्व सामान्य भविष्य निधि एवं जीवन बीमा आदि में नियोजित राशि का अधिकतम 1,00,000 रु. कर मुक्त हो।

आयकर की दरें निम्नानुसार हैं :–

क्रमांक	कर योग्य सीमा	आयकर की दर
1	2,00,000 रु. तक	कोई आयकर नहीं
2	2,00,001 रु. से 5,00,000 रु. तक	10%
3	5,00,001 रु. से 10,00,000 रु. तक	20%

शिक्षा उपकर देय आयकर का 3% है।

हलः– शासकीय कर्मचारी की कुल वार्षिक आय = 3,60,000 रु.

1. सामान्य भविष्य निधि में जमा राशि = 48,000 रु.

2. जीवन बीमा में जमा राशि = 20,000 रु.

कुल जमा राशि = 48,000 + 20,000

= 68,000 रु.

छूट अधिकतम 1 लाख रु. है, अतः 68,000 रु. पर कर नहीं देना होगा।

कर योग्य आय = 3,60,000 – 68,000 = 2,92,000 रु.

देय आयकर = (2,92,000 − 2,00,000) का 10% (∵ 2,00,000 रु. तक कोई आयकर नहीं लगता है।)

= 92,000 का 10%

= 9,200 रु.

शिक्षा उपकर = देय आयकर का 3%

$= \frac{9200 \times 3}{100}$

= 276 रु.

कुल देय आयकर = 9,200 + 276 = 9,476 रु. उत्तर

प्रश्नावली 2

1. वित्तीय वर्ष 2013–14 में एक शासकीय कर्मचारी की वार्षिक आय (मकान किराया भत्ता छोड़कर) 4,10,000 रु. है। वह प्रतिमाह 4,000 रु. अपने सामान्य भविष्य निधि खाते तथा 24,000 रु. वार्षिक जीवन बीमा प्रीमियम में जमा करता है। वह 25,000 रु. का राष्ट्रीय बचत पत्र खरीदता है। प्रधानमंत्री राहत कोष (जो 100% कर मुक्त है) में 20,000 रु. तथा एक वृद्धाश्रम में 12,000 रु. (जिसका 50% करमुक्त) दान करता है। उसके द्वारा वर्ष के अंत में देय आयकर की गणना कीजिए। सभी बचत 1,00,000 रु. तक कर मुक्त है। आयकर दरें निम्नानुसार हैं–

क्रमांक	कर योग्य सीमा	आयकर की दर
1	2,00,000 रु. तक	शून्य
2	2,00,001 रु. से 5,00,000 रु. तक	10%
3	5,00,001 रु. से 10,00,000 रु. तक	20%

1. शिक्षा उपकर – देय आयकर का 2%
2. माध्यमिक और उच्च शिक्षा उपकर – देय आयकर का 1%

2. नवीन का वित्तीय वर्ष 2013–14 में वार्षिक वेतन 7,20,000 रु. है। वह सामान्य भविष्य निधि में 4,000 रु. मासिक जमा करता है। 20,000 रु. वार्षिक जीवन बीमा की किस्त जमा करता है। 30,000 रु. राष्ट्रीय बचत पत्र में निवेश करता है। अनाथ आश्रम में 15,000 रु. दान करता है जिसका 50% कर मुक्त है। तो उसके द्वारा वर्ष के अन्त में देय आयकर की गणना कीजिए।

आयकर दरें निम्नानुसार हैं :–

क्रमांक	कर योग्य सीमा	आयकर की दर
1	2,00,000 रु. तक	कोई आयकर नहीं
2	2,00,001 रु. से 5,00,000 रु. तक	10%
3	5,00,001 रु. से 10,00,000 रु. तक	20%
4	10,00,001 रु. से अधिक पर	30%

1. शिक्षा उपकर – देय आयकर का 2%
2. माध्यमिक और उच्च शिक्षा उपकर – देय आयकर का 1%
3. सभी बचत 1,00,000 रु. तक कर मुक्त हैं।

3. वित्तीय वर्ष 2008–09 में रमेश की कुल वार्षिक आय 3,00,000 रु. थी। वह सामान्य भविष्य निधि खाते में 1,000 रु. प्रतिमाह जमा करता था तथा उसने 12,000 रु. वार्षिक जीवन बीमा पॉलिसी का प्रीमियम दिया था। यदि 1,50,000 रु. तक कोई आयकर नहीं है तथा 1,50,000 रु. से अधिक आय पर 10% की दर से आयकर देय हो एवं सभी बचत पर छूट की अधिकतम सीमा 1,00,000 रु. हो तो उसके द्वारा देय आयकर की गणना कीजिए, जहाँ शिक्षा उपकर देय आयकर का 3% है।

4. वित्तीय वर्ष 2014–15 में किसी बैंक कर्मचारी की मासिक आय (मकान किराया भत्ता छोड़कर) 40,000 रु. है। वह 42,000 रु. वार्षिक अपने सामान्य भविष्य निधि में जमा करता है तथा 6,000 रु. की अर्द्धवार्षिक प्रीमियम एल.आई.सी. में देता है। यदि वर्ष के प्रथम 11 माह के लिए 1,600 रु. प्रतिमाह आयकर देता है तो वित्तीय वर्ष के अंतिम माह में उसके द्वारा भुगतान किये जाने वाले आयकर की गणना कीजिए। आयकर में छूट समस्त बचतों का 100% (अधिकतम 1,00,000 रु.) है।

(अ) आयकर की दरें निम्नानुसार हैं :–

क्रमांक	कर योग्य सीमा	आयकर की दर
1	2,50,000 रु. तक	कोई आयकर नहीं
2	2,50,001 रु. से 5,00,000 रु. तक	10%
3	5,00,001 रु. से 10,00,000 रु. तक	20%
4	10,00,001 से अधिक पर	30%

(ब) अधिभार : देय आयकर का 10% यदि कर योग्य आय 10 लाख रु. से अधिक हो।

(स) शिक्षा उपकर : देय आयकर का 3%।

5. वित्तीय वर्ष 2012–13 में राजेश की कुल वार्षिक आय 5,25,000 रु. है। वह सामान्य भविष्य निधि में 8,000 रु. प्रतिमाह जमा करता है तथा 8,000 रु. अपने भारतीय जीवन बीमा का

वार्षिक प्रीमियम देता है। यदि वह 2 लाख रु. तक कोई आयकर नहीं देता है तथा 2 लाख रु. से अधिक आय पर 10% की दर से आयकर देय हो एवं आयकर में छूट सभी बचत पत्रों का 100% (अधिकतम सीमा 1 लाख रु.) हो तो राजेश के द्वारा देय आयकर की गणना कीजिए जहाँ शिक्षा उपकर देय आयकर का 3% है।

6. वित्तीय वर्ष 2014–15 में श्रीमती भावना की वार्षिक आय (मकान किराया भत्ता छोड़कर) 6,00,000 रु. है। वह अपने सामान्य भविष्य निधि में 48,000 रु. वार्षिक एवं जीवन बीमा निगम में 25,000 रु. वार्षिक प्रीमियम जमा करती है। यदि वर्ष के प्रथम 11 माह में 1500 रु. प्रतिमाह आयकर देती है तथा सभी बचत पत्रों पर छूट की अधिकतम सीमा एक लाख रु. है। देय आयकर की गणना कीजिए।

अ) आयकर की दरें निम्नानुसार हैं–

क्रमांक	कर योग्य सीमा	आयकर की दर
1	2,50,000 रु. तक	कोई आयकर नहीं
2	2,50,001 रु. से 5,00,000 रु. तक	10%
3	5,00,001 रु. से 10,00,000 रु. तक	20%

इसके अतिरिक्त देय आयकर पर 3% शिक्षा उपकर लगता है।

7. एक अधिकारी की वित्तीय वर्ष 2012–13 में वार्षिक आय (मकान किराया भत्ता छोड़कर) 7,20,000 रु. है। उसने सामान्य भविष्य निधि में प्रतिमाह 4000 रु., जीवन बीमा निगम में प्रतिमाह 3000 रु. जमा किए तथा 30,000 रु. का राष्ट्रीय बचत पत्र खरीदा। एक अनाथ आश्रम को 20,000 रु. दान दिए जिस पर 50% टैक्स से छूट मिलती है। यदि सभी बचतों पर छूट की अधिकतम सीमा एक लाख रु. हो तो उस अधिकारी द्वारा देय आयकर की गणना कीजिए।

अ) आयकर की दरें निम्नानुसार हैं–

क्रमांक	कर योग्य सीमा	आयकर की दर
1	2,00,000 रु. तक	कोई आयकर नही
2	2,00,001 रु. से 5,00,000 रु. तक	10%
3	5,00,001 रु. से 10,00,000 रु. तक	20%
4	10,00,001 रु. से अधिक पर	30%

इसके अतिरिक्त देय आयकर पर 3% शिक्षा उपकर लगता है।

उत्तरमाला–2

1. कुल आयकर 8,961 रु.
2. कुल आयकर 54,487 रु.
3. कुल आयकर 12,978 रु.
4. कुल आयकर 18,128 रु. एवं अंतिम माह का आयकर 528 रु.
5. कुल आयकर 23,175 रु. एवं शिक्षा उपकर 675 रु.
6. कुल आयकर 31,312 रु. एवं शिक्षा उपकर 912 रु.
7. कुल आयकर 53,560 रु. एवं शिक्षा उपकर 1,560 रु.